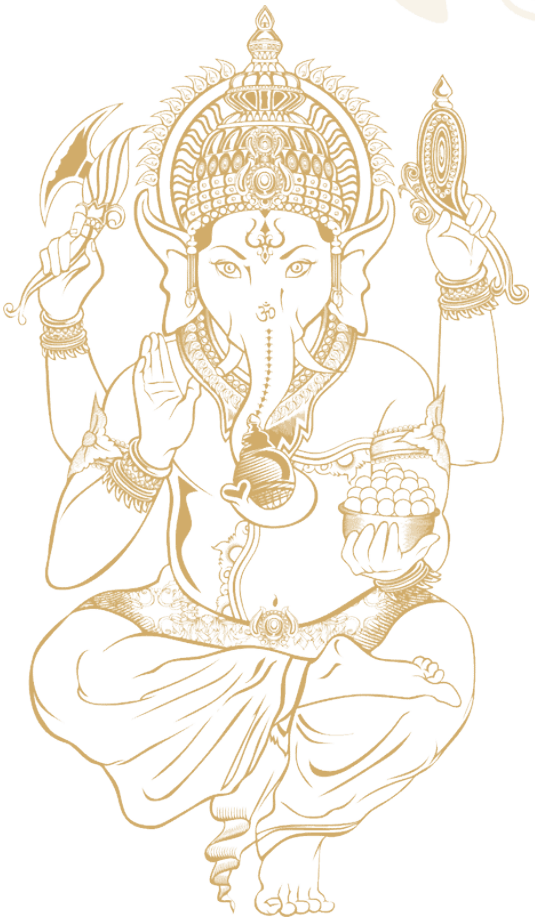

Sanbi Kumari

29 Jan 2021

11:35 PM

Gaya

Model: web-freekundliweb

Order No: 121330903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**29/01/2021**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**23:35:00 घंटे**
इष्ट	42:33:05 घटी
स्थान	**Gaya**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	24:48:00 उत्तर
रेखांश	85:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:45:00 घंटे
वेलान्तर	-00:13:08 घंटे
साम्पातिक काल	08:21:50 घंटे
सूर्योदय	06:33:45 घंटे
सूर्यास्त	17:32:49 घंटे
दिनमान	10:59:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:54:37 मकर
लग्न के अंश	07:46:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सौभाग्य
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डो-डौली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	07:46:27	320:02:15	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	---
सूर्य			मक	15:54:37	01:00:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कर्क	27:50:46	13:41:57	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	स्वराशि
मंगल			मेष	17:12:25	00:31:46	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
बुध			कुंभ	02:16:02	00:10:03	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	सम राशि
गुरु		अ	मक	15:22:40	00:14:15	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शुक्र			मक	02:18:08	01:15:11	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि		अ	मक	10:51:42	00:07:08	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	स्वराशि
राहु	व		वृष	24:36:13	00:09:09	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:36:13	00:09:09	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			मेष	12:40:41	00:00:48	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	---
नेप			कुंभ	25:03:03	00:01:52	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो			मक	00:59:26	00:01:57	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कर्क	09:00:43	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:50

लग्न-चलित

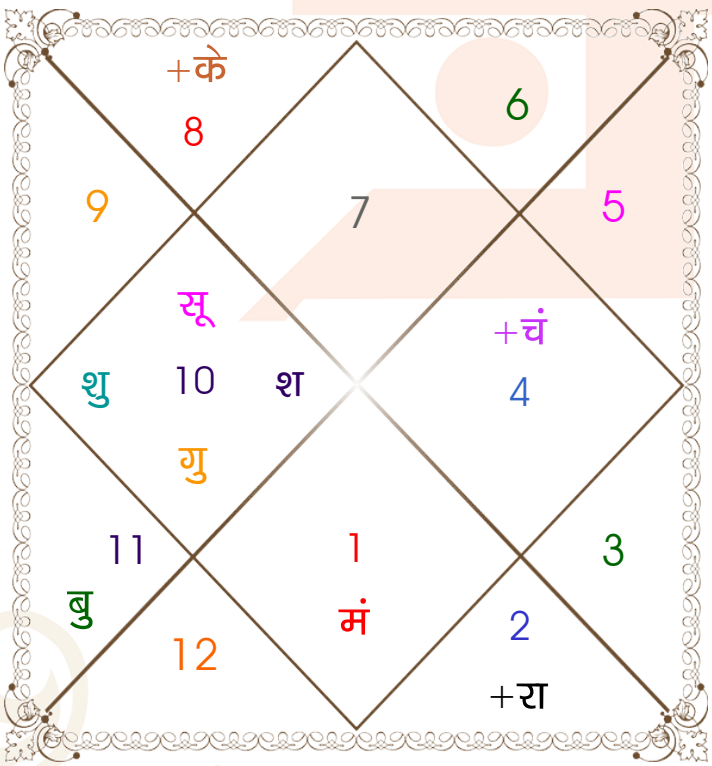

चन्द्र कुंडली

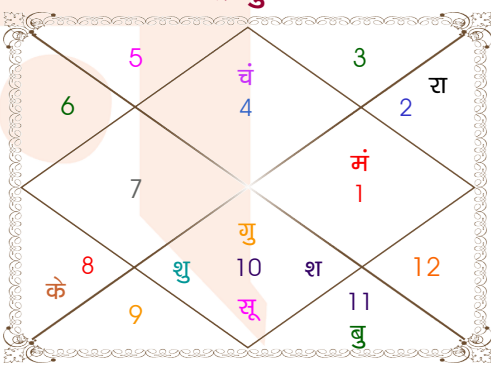

नवमांश कुंडली

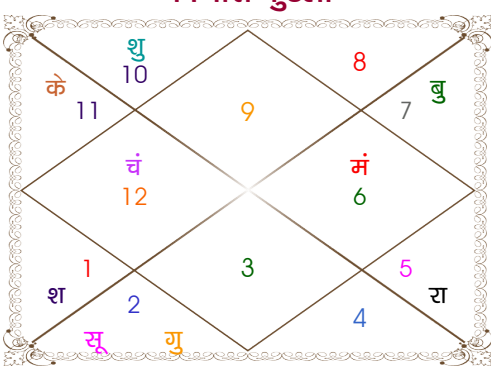

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 2 वर्ष 8 मास 29 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
29/01/2021		30/10/2023		29/10/2030		29/10/2050		29/10/2056	
30/10/2023		29/10/2030		29/10/2050		29/10/2056		29/10/2066	
	00/00/0000	केतु	27/03/2024	शुक्र	28/02/2034	सूर्य	16/02/2051	चंद्र	29/08/2057
	00/00/0000	शुक्र	27/05/2025	सूर्य	28/02/2035	चंद्र	18/08/2051	मंगल	30/03/2058
	00/00/0000	सूर्य	02/10/2025	चंद्र	29/10/2036	मंगल	23/12/2051	राहु	29/09/2059
	00/00/0000	चंद्र	03/05/2026	मंगल	29/12/2037	राहु	16/11/2052	गुरु	28/01/2061
	00/00/0000	मंगल	29/09/2026	राहु	29/12/2040	गुरु	04/09/2053	शनि	29/08/2062
	00/00/0000	राहु	17/10/2027	गुरु	30/08/2043	शनि	17/08/2054	बुध	29/01/2064
	29/01/2021	गुरु	22/09/2028	शनि	29/10/2046	बुध	24/06/2055	केतु	29/08/2064
गुरु	18/02/2021	शनि	01/11/2029	बुध	29/08/2049	केतु	30/10/2055	शुक्र	30/04/2066
शनि	30/10/2023	बुध	29/10/2030	केतु	29/10/2050	शुक्र	29/10/2056	सूर्य	29/10/2066

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
29/10/2066		29/10/2073		30/10/2091		31/10/2107		30/10/2126	
29/10/2073		30/10/2091		31/10/2107		30/10/2126		00/00/0000	
मंगल	27/03/2067	राहु	11/07/2076	गुरु	17/12/2093	शनि	02/11/2110	बुध	28/03/2129
राहु	14/04/2068	गुरु	05/12/2078	शनि	29/06/2096	बुध	13/07/2113	केतु	25/03/2130
गुरु	21/03/2069	शनि	11/10/2081	बुध	05/10/2098	केतु	21/08/2114	शुक्र	23/01/2133
शनि	30/04/2070	बुध	29/04/2084	केतु	11/09/2099	शुक्र	21/10/2117	सूर्य	30/11/2133
बुध	27/04/2071	केतु	18/05/2085	शुक्र	13/05/2102	सूर्य	03/10/2118	चंद्र	01/05/2135
केतु	23/09/2071	शुक्र	17/05/2088	सूर्य	01/03/2103	चंद्र	03/05/2120	मंगल	27/04/2136
शुक्र	22/11/2072	सूर्य	11/04/2089	चंद्र	30/06/2104	मंगल	12/06/2121	राहु	15/11/2138
सूर्य	30/03/2073	चंद्र	11/10/2090	मंगल	06/06/2105	राहु	18/04/2124	गुरु	30/01/2141
चंद्र	29/10/2073	मंगल	30/10/2091	राहु	31/10/2107	गुरु	30/10/2126		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 2 वर्ष 8 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव की उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखती हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकती हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि की श्रद्धावान हो सकती हैं। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगी। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहती हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकती हैं। आप निश्चय पूर्वक धनी होंगी। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगी। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शन नहीं करेंगी कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखती हैं। परंतु आप अपने पति के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगी। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपने पति एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगी।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगी। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली महिला होंगी जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगी। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी।

आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगी। आप अपने अच्छे शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि की प्राणी होंगी।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करती है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगी। आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।